Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

स्कूल जा रहे शिक्षकों का वाहन खाई में गिरा

हादसा

तीन की मौत, दो घायल, नजीबाबाद–बुआखाल नेशनल हाईवे पर हुआ हादसा

संवाददाता

कोटद्वार। चंपावत में बरात से लौट रहे वाहन के खाई में गिरने से 11 बरातियों की मौत हो गई। वहीं कोटद्वार में एक वाहन के खाई में गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई है। इस दुर्घटना में तीन लोगों के मरने की पुष्टि हुई है। इस वाहन से शिक्षक स्कल जा रहे थे। तभी यह हादसा हो गया । ड्राइवर ने बताया कि ब्रेक की जगह पर एक्सीलेटर दब गया। जिस कारण दुर्घटना हो गई।दो को कोटद्वार के बेस चिकित्सालय में लाकर भर्ती किया गया है।

राजकीय इंटर कालेज सारी में तैनात दो शिक्षिकाओं समेत पांच शिक्षक सुबह नौ बजे कोटद्वार से कार में सवार होकर विद्यालय की ओर जा रहे थे। इस बीच क्रैंखाल बैंड पर कार अनियंत्रित होकर खड्ड में जा गिरी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही दुगड्डा और गुमखाल पुलिस चौकी से टीमें घटनास्थल पर पहुंची और राहत–बचाव कार्य शुरू कर दिया।

कार में सवार सभी शिक्षक रोजाना इस मार्ग पर आवाजाही करते हैं। मंगलवार सुबह लगभग 9.30 बजे कोटद्वार से अपने स्कूलों के लिए जा रहे शिक्षकों का वाहन खाई में गिर गया। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में दो महिलाएं और एक शिक्षक है और 2 लोग घायल है बताया जा रहे हैं।

कोटद्वार से गुमखल की ओर जाते समय यह हादसा हुआ। पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गया है।

मृतकों के नाम
पूनम रावत पत्नी प्रदुमन 45 वर्ष मानपुर कोटद्वार।
बंदना भंडारी पत्नी नरेंद्र सिंह भंडारी शिवपुर 42 वर्ष मानपुर कोटद्वार।
दीपक शाह पुत्र उत्तम सिंह 38 शिवपुर मृतक।

घायलों के नाम
जय वीर सिंह पुत्र रघुवीर सिंह उम्र 58 वर्ष रतनपुर सुखरो गाड़ी का मालिक और ड्राइवर।
अरुण कुमार पुत्र बाबूलाल निवासी सतेंद्र नगर कोटद्वार (30)।

न्यूज डायरी

दोस्त के घर गए युवक की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत

संवाददाता देवप्रयाग (टिहरी)। टिहरी जनपद के ब्लॉक मुख्यालय हिंडोलाखाल में अपने दोस्त के घर गये युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। दोस्त के घर बेहोश होने पर स्वजन युवक को सीएचसी हिंडोलाखाल में ले गये। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी अनुसार हिंडोला खाल निवासी 23 वर्षीय तुषार बागड़ी पुत्र वीरेंद्र बागड़ी बीती सोमवार शाम को पास में ही रह रहे अपने दोस्त के घर गया था। रात में दोस्त द्वारा परिजनों को तुषार की अचानक तबीयत खराब होने की सूचना दी गई। तुषार को बेहोश मानते उसके पिता उसे सीएचसी हिंडोलाखाल लाए, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले को संदिग्ध मानते सीएचसी प्रशासन द्वारा पुलिस को इसकी सूचना दी गई।

सड़क नहीं बनने पर ग्रामीण करेंगे आंदोलन

संवाददाता अल्मोड़ा। लंबे समय बाद भी कनारीछीना–बिनकू–पतलचौरा मोटरमार्ग का निर्माण नहीं हो सका है। बगैर सड़क सुविधा के ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गांव का विकास भी अधर में लटका हुआ है। ग्रामीणों ने शीघ्र मोटर मार्ग निर्माण की मांग उठाई है। साथ ही मोटर मार्ग नहीं बनने पर ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। कनारीछीना–पतलचौरा मोटर मार्ग को पिछले साल 32 लाख रुपये की लागत से स्वीकृति मिली थी। ग्रामीणों ने बताया कि सर्वे के बाद मोटर मार्ग को स्वीकृति भी मिल गई थी। लेकिन भूगर्भ विभाग की ओर से रिपोर्ट तैयार नहीं होने से मार्ग निर्माण अधर में लटका है। रीठागाड़ी दगड़ियो संघर्ष समिति कई बार मोटर मार्ग निर्माण के लिए आंदोलन कर चुकी है।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड किया लॉन्च

संवाददाता देहरादून। भारत की प्रमुख परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों में से एक, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड, (निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स को ट्रैक करने वाला ओपन एंडेड इंडेक्स फंड के लॉन्च की आज घोषणा की। जिनेश गोपानी, हेड–इक्विटी द्वारा प्रबंधित, यह फंड निफ्टी स्मॉलकैप 50 टीआरआई इंडेक्स को ट्रैक करेगा। यह एनएफओ सब्सक्रिप्शन के लिए 21 फरवरी 2022 को खुलेगा और 7 मार्च, 2022 को बंद होगा। न्यूनतम आवेदन राशि 5,000 रु. है और उसके बाद निवेशक 1 रु. के गुणकों में निवेश कर सकते हैं। एक्जिट लोड शून्य है। एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड और अंतर्निहित छमाही आधार पर पुनर्संतुलित इंडेक्स, निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स शीर्ष 50 कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है।

यूकेडी प्रत्याशी ने खुद ही रचा था अपने पर हमले का प्रपंच

संवाददाता रुद्रप्रयाग। विस चुनाव के दौरान 12 फरवरी की रात्रि को रुद्रप्रयाग विस में उत्तराखंड क्रांतिदल के प्रत्याशी मोहित डिमरी पर हुए हमले को पुलिस ने झूठा करार दिया है। कहना है कि चुनाव में लाभ लेने के लिए प्रत्याशी द्वारा स्वयं यह प्रपंच रचा गया था। मामले की विवेचना पूरी करते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 182 में अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। वहीं डिमरी ने पूरे घटनाक्रम की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। उन्होंने पुलिस पर सत्तापक्ष के दबाव में जांच करने का आरोप लगाया है।

यूकेडी प्रत्याशी ने चुनाव में लाभ लेने के उद्देश्य से स्वयं ही अपने पर हमले की घटना का अंजाम दिया है। 12 फरवरी की रात्रि को जवाड़ी बाईपास पर उनके द्वारा पत्थर से अपने वाहन को क्षतिग्रस्त किया गया और स्वयं पर हल्की चोटें भी लगाईं। पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल ने बताया कि पुलिस जब मौके पर पहुंची तो पीड़ित व उसके साथी नहीं मिले। बल्कि पीड़ित द्वारा निजी चिकित्सालय में अपना उपचार कराया जा रहा था।

पुलिस द्वारा उन्हें जिला चिकित्सालय में लाया गया, जहां मेडिकल कराने के बाद कोतवाली रुद्रप्रयाग में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले की विवेचना पूरी कर दी गई है। विवेचना में यह बात स्पष्ट तौर पर सामने आई है कि यूकेडी प्रत्याशी द्वारा अपने ऊपर हुए हमले की सूचना पूरी तरह से भ्रामक है। उनके साथ किसी भी प्रकार की हमले की कोई घटना नहीं हुई है।

नौवें स्मृति समारोह में सात लोग सम्मानित

संवाददाता हल्द्वानी। पिथौरागढ़ जिले के दारमा घाटी के दांतू गांव में जन्मी दान वीरांगना जसुली शौक्याणी ने उत्तराखंड की सामाजिक व पर्यावरणीय संस्कृति को संरक्षित करने का काम किया। वह सीमांत की संस्कृति के संरक्षण को लेकर भी प्रयासरत रहीं। राजकीय पीजी कालेज रामनगर के प्रो. गिरीश पंत ने हिमालयी धरोहर जसुली बूढ़ी शौक्याणी विषय पर आयोजित संगोष्ठी में यह बात कही। कथाकार व पत्रकार आनंद बल्लभ उप्रेती के 9वें स्मृति समारोह पर पंत ने स्व. आनंद बल्लभ का स्मरण करते हुए कहा उनके कृतित्व का मूल्यांकन होना अभी बाकी है। हिमालय संगीत शोध समिति आयोजित समारोह में सात विद्वानों को आनंदश्री सम्मान दिया गया। मुख्य अतिथि मेयर डा. जोगेंद्र रौतेला ने कहा कि संवाद से निष्कर्ष निकलता है। जिससे अच्छे समाज का मार्ग प्रशस्त होता है।

निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी राष्ट्रीय दलों को टक्कर दे डाली

संवाददाता

अल्मोड़ा। विधानसभा चुनाव में खर्च के मामले में निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी राष्ट्रीय दलों को टक्कर दे डाली। कई दलों को तो पीछे छोड़कर निर्दलीय अधिक खर्चा कर चुके हैं। सभी प्रत्याशियों ने 12 फरवरी तक के चुनाव खर्च का ब्योरा चुनाव आयोग को सौंपा दिया है। कई प्रत्याशियों ने अभी स्टार प्रचारकों के खर्च की जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है। विधानसभा चुनाव में इस बार चुनाव आयोग ने प्रत्येक प्रत्याशी की चुनाव खर्च की निर्धारित सीमा 40 लाख रुपये की थी।

प्रत्याशियों के चुनाव खर्च पर नजर रखने के लिए व्यय प्रेक्षकों की तैनाती की गई थी। प्रत्याशियों को समय–समय पर व्यय प्रेक्षक

को चुनाव खर्च का ब्यौरा देना था। प्रत्याशियों ने 12 फरवरी को प्रचार खत्म होने तक का चुनाव खर्च का ब्योरा प्रेषक को सौंप दिया है। राष्ट्रीय दलों के प्रत्याशियों ने चुनाव में लाखों रुपये खर्च किए हैं वहीं निर्दलीय प्रत्याशी भी लाखों रुपए खर्च करने में पीछे नहीं रहे। अब तक सबसे अधिक चुनाव में खर्च जागेश्वर के कांग्रेस प्रत्याशी गोविद सिंह कुंजवाल कर चुके हैं। उन्होंने व्यय प्रेक्षक को 33 लाख से अधिक का चुनाव खर्च का ब्योरा दिया है। इसके बाद द्वाराहाट विधानसभा से बीजेपी प्रत्याशी अनिल साही का नंबर है, जिन्होंने 27 लाख से अधिक के खर्च की डिटेल दी है। सोमेश्वर क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रेखा आर्य 25 लाख, जागेश्वर से बीजेपी प्रत्याशी मोहन मेहरा 28 लाख, रानीखेत से कांग्रेस प्रत्याशी करन मेहरा ने 21 लाख रुपये खर्च की जानकारी दी है।

वहीं अल्मोड़ा विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में खड़े विनय किरौला ने मतदान से पूर्व तक 11 लाख से अधिक खर्च किए। कई प्रत्याशियों ने व्यय प्रेक्षक को अधूरी जानकारी दी है। कई प्रत्याशियों ने खर्च की जानकारी में बिल, वाउचर की संख्या अंकित नहीं की गई है।

उत्तराखंड में विकसित होंगे तीन नए सेब बागान

संवाददाता रानीखेत। हार्टी टूरिज्म की सोच को धरातल पर उतारने के मकसद से जनपद में सेब की उन्नत प्रजातियों के तीन और नए डेमो बागान विकसित किए जाएंगे। इनमें तिमिला में 10 नाली (0.20 हेक्टेअर) तो जैंती 20 नाली (0.40 हेक्टेअर) क्षेत्रफल में मूर्तरूप लेंगे। महत्वाकाक्षी योजना मिशन एपल के तहत बागवानी से जुड़ने वाले छोटे बागवानों को भी 80 फीसद अनुदान मिलेगा। खास बात कि डेमो बागानों में विदेशी के साथ ही हिमालयी उन्नत नस्ल की सेब प्रजातियों को विशेष महत्व दिया जाएगा। पर्वतीय प्रदेश को पहले धार्मिक तीर्थाटन, ईको फिर टी टूरिज्म के साथ औद्यानिकी पर्यटन के रूप में नई पहचान देने के मकसद से वर्ष 2016 में सरकार ने मिशन एपल शुरू किया था। मकसद था पहाड़ में खत्म होती खेती व बागवानी को बचा कर स्थानीय लोगों को स्वरोजगार से जोड़ पलायन पर लगाम कसना। शुरुआत में कुमाऊं में रानीखेत की बिल्लेख घाटी (ताड़ीखेत ब्लाक) व रामगढ़ (नैनीताल) और चकराता (गढ़वाल) को मिशन एपल के लिए चुना गया।